Crimes by Bangladesh intruders in Dinajpur District West Bengal

5037. SHRI MOHD. HAYAT ALI: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) the number of persons (Indian Nationals) killed, and the number of cattle lifted, and robberies committed by the Bangladesh intruders in the villages situated alongwith the border area under West Dinajpur District (West Bengal) during 1977-78; and

(b) the compensation given to the affected families, and the preventive measures Government propose to take for the safety of life and property of the villagers residing along the India-Bangladesh Border?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI DHANIK LAL MANDAL): (a) According to the information furnished by the State Government, while no Indian National was killed and no robbery was committed by the Bangladesh intruders during the year 1977-78 alongwith the border area under West Dinajpur district, 775 cattle were, however, lifted by them.

(b) No compensation has been paid, as none of the affected families applied for the same. Necessary preventive measures, such as setting up of additional camps between various BOPS by BSF, setting up of anti dacoity police camps, during dark fortnights have been taken up. Patrolling by BSF and Police has been intensified in the affected areas and resistance groups have been activated.

Collaboration between BHEL and West German Multinational Siemens

5038. SHRI P. K. KODIYAN: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether Government have given its approval for the proposed broad based collaboration between Bharat Heavy Electricals Limited and West German Multinational Siemens; and

(b) if so, what are details of the project and other details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRIMATI ABHA MAITI): (a) No, Sir.

(b) BHEL have submitted an application for a broad based collaboration with Schemes AG. The scope covers products like transformers, switchgears, motors, hydrogenerators, power electronics, TG sets upto 200 MW, Condensers, Porcelain, etc. and systems engineering for power and industrial fields. The proposed agreement is for a period of 15 years and it envisages a payment of DM 50 million as lumpsum payable in ten yearly instalments and a royalty of 1.8 per cent on the turn-over covered under the technical scope of the agreement.

The proposal is being examined in the concerned Departments of the Government.

कोयला खानों में युवकों को प्रशिक्षण

5039. श्री यज्ञ दत्त शर्मा :

श्री फूलचन्द वर्मा :

क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में कोयला खानों में प्रशिक्षण की व्यवस्था कर दी गई है;

(ख) यदि हां, तो गत वर्ष विभिन्न कोयला खानों में कितने युवकों को प्रशिक्षण दिया गया और उनमें से कितने युवकों को रोजगार प्रदान कर दिया गया; और

(ब) यह प्रशिक्षण लेने के बाद भी कितने युवकों को रोजगार नहीं मिल सका है ?

ऊर्जा मंत्री (श्री पी० रामचन्द्रन) : (क) जी हां ।

(ख) और (ग) पिछले वर्ष कर्मचारियों के सेवा कालीन प्रशिक्षण के अतिरिक्त, प्रशिक्षु अधिनियम की व्यवस्थाओं के अनुसार कोल इंडिया लि० और उसकी सहायक कम्पनियों में काफी संख्या में लोगों को प्रशिक्षण दिया गया । विभिन्न कम्पनियों में प्रशिक्षित किए और सेवा में लिए गए लोगों की संख्या इस प्रकार है :—

कम्पनी	प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या	रोजगार में लगे व्यक्तियों की संख्या
से0को0लि०	519	300
भा०को०को०लि०	307	167
को० इ०लि० (मुख्यालय)	20	—

कोल इंडिया लि० की अन्य सहायक कम्पनियों के बारे में स्थिति का पता लगाया जा रहा है ।

महर्षि अरविंद आश्रम, पांडिचेरी में सौर ऊर्जा उपकरण का विकास

5040. श्री यमुना प्रसाद शास्त्री : क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पांडिचेरी स्थित महर्षि अरविन्द आश्रम में सौर ऊर्जा द्वारा चलित उपकरण विकसित किया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या अन्य स्थानों पर स्थित प्रयोगशालाओं में भी सौर ऊर्जा का उपयोग करने के लिए प्रयोग तथा अनुसंधान किये जा रहे हैं ; और

(ग) यदि हां, तो इस दिशा में अब तक कितनी प्रगति हुई है ?

ऊर्जा मंत्री (श्री पी० रामचन्द्रन) : (क) सौर ऊर्जा के प्रयोग संबंधी प्रौद्योगिकी का विकास करने के लिए अरविन्द आश्रम, पांडिचेरी ने अनुसंधान परियोजनाएं हाथ में ली हैं ।

(ख) और (ग) पम्पिंग, कृषि उत्पादों को सुखाने, बिजली पैदा करने, पानी को गर्म करने, स्थान को गर्म तथा ठंडा करने, प्रशीतलन तथा खारे पानी को पीने योग्य बनाने और पानी का आसवन करने आदि जैसे विभिन्न कार्यों में सौर ऊर्जा का इस्तेमाल करने के लिए अनुसंधान और उत्पाद विकास का एक समेकित कार्यक्रम शुरू किया गया है। सौर ऊर्जा के अनेक यंत्रों जैसे सौर जल हीटरों, कृषि उत्पादों के लिए सौर शोषकों सौर विद्युत संयंत्र, सौर प्रशीतलन प्रणालियों, सौर आसवन-यंत्रों आदि के प्रोटोटाइप सफलतापूर्वक विकसित कर लिए गए हैं और देश के विभिन्न भागों में इनके क्षेत्र-परीक्षण किए जा रहे हैं । कुछ महत्वपूर्ण अनुसंधान तथा विकास परियोजनाएं निम्नलिखित हैं जिनमें उल्लेखनीय प्रगति हुई है :—

—अन्नामलय विश्वविद्यालय द्वारा प्रतिदिन एक मीटरी टन धान सुखाने वाले यंत्र का प्रोटोटाइप;

—राष्ट्रीय औद्योगिक विकास निगम, नई दिल्ली द्वारा प्रतिदिन 10 मीटरी टन अनाज सुखाने वाला यंत्र;

—भारत-पश्चिम जर्मनी सहयोग समझौते के अन्तर्गत भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास के सहयोग से भारत हैवी इलेक्ट्रि-